*Maulana Mazharul Haque Teachers' Training College*

مولانا مظہر الحق ٹیچرس ٹریننگ کالج

Recognised by ERC, NCTE, Bhubaneswar,
Affiliated to L.N. Mithila University, Darbhanga & B.S.E.B., Patna

MATHURAPUR, SAMASTIPUR - 848101 (BIHAR) INDIA

# SEMINAR ORGANIZATION RECORD

**Course** B.Ed **Session** 2022-24

Name Sonam Kumari

Class Roll No. 220033

Board/ University Roll 2341146 No.

Reg. No. 1541502460 Year 2015

Maulana Mazharul Haque Teachers' Training College ESTD 2000 Mathurapur

Scanned with OKEN Scanner

Date ____________

# सेमिनार का आयोजन

## (Organisation of Seminar)

स्थान :- मौलाना मजहरूल हक
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
मधुरापुर, समस्तीपुर

दिनांक :-

विषय :- माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन।

शिक्षक प्रभावशीलता को शिक्षक के गुणों, कक्षा प्रबंधन, अन्तर्वैयक्तिक संबंध, विषयवस्तु का समुचित ज्ञान व शिक्षण हेतु परियोजना व तैयारी के रूप में पहचान सकते हैं। जो शिक्षक इन कसौटियों पर जितना खरा उतरता है, वह उतना ही प्रभावी शिक्षक होगा। वही शिक्षक अपने उत्तरदायित्व का पूर्णरूपेण निर्वाहन करने एवं समाज को उचित दिशा निर्देश देने में समर्थ होगा।

1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी

शिक्षक की प्रभावशीलता को महत्व देते हुए शिक्षक की आचार संहिता निर्मित करने का सुझाव दिया गया।
शिक्षक जवाबदेही की व्यवस्था भी इस नीति में की गई इन सभी का उद्देश्य शिक्षक को उसकी प्रभावशीलता के प्रति जागरूक करना था।

अध्ययन का उद्देश्य :-

(i) माध्यमिक स्तर के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

(ii) माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की लिंग भेदानुसार शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

(iii) माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता के विभिन्न आयामों के आधार पर लिंग भेदानुसार तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना :-
माध्यमिक स्तर के शिक्षक शिक्षिकाओं की शिक्षक प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन विधि :-
प्रस्तुत शोध में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का अनुसरण किया गया।

प्रतिदर्श चयन :-
न्यादर्श हेतु बिहार बोर्ड के तीन छात्र एवं तीन छात्राओं के वित्त पोषित माध्यमिक विद्यालयों का सोद्देश्यपूर्ण विधि का अनुसरण किया गया।
अन्तिम न्यादर्श के रूप में 50 शिक्षकों एवं 50 शिक्षिकाओं का यादृच्छीकृत विधि से उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए 5 वर्ष का अनुभव प्राप्त स्थाई एवं विवाहित शिक्षक शिक्षिकाओं का चयन किया गया।

Date

उपकरण :-

प्रस्तुत अध्ययन में डा० उमी कुलसुम द्वारा निर्मित टीचर इफेक्टिवनेस रेटिंग स्केल द्वारा शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का मापन किया गया।

प्रदत्तो का विश्लेषण एवं व्याख्या-

संग्रहित प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, प्रतिशत, मानक विचलन चतुर्थांस विचलन (Q.D) एवं टी मान की गणना की गई। प्राप्त परिणामों को उद्देश्यानुसार अग्रिम तालिकाओं में प्रमुख किया जा रहा है।

प्रथम उद्देश्य

शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन करने के लिए चतुर्थांस विचलन (Q.D) का प्रयोग किया गया। चतुर्थांश -1 के प्राप्तांक किया गया। के अन्तर्गत आने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को पृथक - पृथक

Date

निम्न शिक्षक प्रभावशीलता समूह में रखा गया है। इसी क्रम में औसत शिक्षक प्रभावशीलता के लिए चतुर्थांस - 2 के प्राप्तांक के अन्तर्गत आने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं को वर्गीकृत किया गया।

तालिका - 1

माध्यमिक स्तर के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शिक्षक प्रभावशीलता के स्तरानुसार मध्यमान, मानक विचलन एवं टी मूल्य का प्रदर्शन

| लिंग भेदानुसार समूह सांख्यकीय स्तरानुसार प्रविधियों शि० प्रभा० समूह | शिक्षक | | शिक्षिकाऐं | | टी | स |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | माध्यमान | मानक | माध्य | मानक विचल | | |
| उच्च शिक्षक प्रभावशीलता | 215.13 | 16.46 | 261.20 | 21.14 | 3.87 | |
| औसत शिक्षक प्रभावशीलता | 187.13 | 8.54 | 213.47 | 9.31 | 1.31 | |
| निम्न शिक्षक प्रभावशीलता | 160.81 | 9.87 | 169.13 | 17.54 | 6.5 | |

Date

## तालिका - 2

शिक्षक - शिक्षिकाओं की शिक्षक प्रभाव-शीलता के आधार पर प्राप्त प्राप्तांकों का मध्यमान, मानक विचलन व टी मूल्य का प्रदर्शन

| लिंगभेदानुसार | शिक्षक | | शिक्षिकाएँ | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| समूह शिक्षण सांख्यिकीय प्रभावशीलता प्रविधियों के आयाम | संख्या | मध्यमान | संख्या | मध्यमान | मा० विचलन | टी | P |
| शिक्षण हेतु पूर्व योजना व तैयारी | 50 | 79 | 50 | 68 | 6.39 | 9.87 | .01 |
| कक्षागत प्रबंधन | 50 | 93 | 50 | 85 | 7.11 | 5.67 | 20 |
| विषयवस्तु का ज्ञान | 50 | 48 | 50 | 46 | 4.73 | 2.53 | .01 |
| शिक्षक के गुण | 50 | 100 | 50 | 110 | 6.27 | 9.52 | .01 |
| अन्त वैयक्तिक संबंध | 50 | 63 | 50 | 72 | 4.52 | 11.6 | .01 |

शिक्षक - शिक्षिकाओं की शिक्षक प्रभावशीलता के विभिन्न आयामों के आधार पर विश्लेषण करने पर ज्ञात होता है कि शिक्षक के गुण सम्बन्धी आयाम सर्वाधिक प्रबल पाया गया। स्पष्ट

ESTD 2010
Samastipur
Mathurapur

Date

है कि शिक्षक - शिक्षिकाओं दोनों में ही पर्याप्त शिक्षणोचित गुण निहित है। शिक्षक - शिक्षिकाओं दोनों में ही पर्याप्त शिक्षणोचित गुण निहित एवं विषय वस्तु का ज्ञान सम्बन्धी आयाम न्यूनतम विकसित है। शिक्षक प्रभावशीलता के विभिन्न आयामों के आधार पर शिक्षक - शिक्षिकाओं को शिक्षक प्रभाव-शीलता का विचलनशीलता के दृष्टिकोण से प्राप्तांक (मानक विचलन) का विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है। व शिक्षकों को समूह शिक्षिकाओं की अपेक्षाकृत अधिक समभागीय है।

### निष्कर्ष :-

(i) शिक्षक - शिक्षिकाओं की शिक्षक प्रभावशीलता के सन्दर्भ में शिक्षक शिक्षिकाओं की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली पाये गए।

ESTD 2010
Samastipur
Mathurapur

Scanned with OKEN Scanner

Date

(II) स्तरानुसार शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की प्रभावशीलता के संदर्भ में उच्च एवं निम्न शिक्षक प्रभावशीलता युक्त समूह में शिक्षिकाएँ शिक्षकों की अपेक्षा अधिक प्रभावी पाई गई।

जबकि औसत शिक्षक प्रभावशीलता युक्त समूह के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं में कोई सार्थक भिन्नता नहीं पाई गई।

(III) शिक्षण हेतु पूर्व योजना कक्षागत प्रबंधन एवं विषयवस्तु का ज्ञान संबंधी आयामों में शिक्षक, शिक्षिकाओं की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली पाये गये।

शिक्षक के गुणों एवं अन्तर्वैयक्तिक सम्बन्धी के संदर्भ में शिक्षिकाएँ अपेक्षाकृत अधिक प्रभावशाली पाई गई।

शिक्षक प्रभावशीलता के विभिन्न आयामों के आधार पर विश्लेषण करने पर ज्ञात होता है कि विषय-वस्तु का ज्ञान संबंधी आयाम न्यूनतम एवं शिक्षक के गुण सम्बन्धी आयाम सर्वाधिक प्रभावी पाया गया।

Date

## सेमिनार (Seminar)

स्थान :- Maulana Mazharul Haque Teacher Training College Mathurapur, Samastipur.

दिनांक :-

विषय :- विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के ज्ञान स्तर का अध्ययन

व्यक्ति, जाति, समाज तथा देश की क्रियाओं, व्यापारों और अभिव्यक्तियों तथा उनके साधनों का सामूहिक रूप ही संस्कृति है। विश्व के मूल्यवान नियमों की बुद्धिपरक व्याख्या मानवीय संस्कृति का ही मूल्यवान अंग है। इस प्रकार दर्शन, धर्म, साहित्य, जीवन और कला के क्षेत्र में मनुष्य की समस्त कृतियाँ और

Date

रचनाएँ इसकी संस्कृति है।
भारतीय परम्परा के अनुसार किसी भी देश जाति या समाज की संस्कृति के पहचान के लिए निम्नलिखित पाँच तत्व बताये है।

(i) भूमि या देश
(ii) भूमि या देश के निवासी या समाज
(iii) समाज का धर्म और दर्शन
(iv) समाज की भाषा तथा साहित्य
(v) देश या समाज का इतिहास

वह भूमि या देश भारत या हिन्दुस्तान है। जिस भूमि या देश के लोग या समाज हिन्दू है उसका धर्म दर्शन हिन्दुत्व का मुख्य स्वर है। भाषा की प्राचीनतम भाषा संस्कृत तथा पुराणों मे उल्लेखित हिन्दू - भूमि का इतिहास ही वास्तविक रूप में यहाँ का इतिहास है। इन सभी तत्वो का सामूहिक ज्ञान ही भारतीय संस्कृति का ज्ञान है।

Date

समस्या - कथन :-

माध्यमिक स्तर के विद्यालय एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति का अध्ययन।

अध्ययन का उद्देश्य :-

(i) विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के ज्ञान स्तर का पता लगाना।

(ii) माध्यमिक स्तर के विद्यालयों एवं निजी विद्यालयों के अध्ययनरत विद्यार्थियों मे भारतीय संस्कृति के ज्ञान का तुलनात्मक अध्ययन करना।

(iii) विद्यार्थियों मे भारतीय संस्कृति के आध्यात्मिक पक्ष, धार्मिक पक्ष, ऐतिहासिक पक्ष एवं साहित्यिक पक्षों के ज्ञान स्तर का पता लगाना।

(iv) माध्यमिक स्तर के विद्यालयों एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों मे भारतीय संस्कृति

Scanned with OKEN Scanner

के आध्यात्मिक पक्ष एवं साहित्यिक पक्षों का ज्ञान निर्माण जिसमें माध्यमिक स्तर के विद्यालय एवं निजी विद्यालय को सम्मिलित किया।

परिणाम तथा विश्लेषण

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के ज्ञान स्तर के मूल फलको को सारणीबद्ध करके विश्लेषण किया गया।

तालिका - 1

(Table - 1)

माध्यमिक विद्यालय एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति का ज्ञान स्तर

| योग्यता | माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी | | निजी विद्यालय के विद्यार्थी | |
|---|---|---|---|---|
| | मध्यांक से कम (%) में | मध्यांक के बराबर (%) में | मध्यांक से कम % में | मध्यांक के बराबर % में |
| अध्यात्मिक पक्ष | 37.78 | 36.67 | 48.99 | 24.44 |
| धार्मिक पक्ष | 20.00 | 35.56 | 25.56 | 27.78 |
| ऐतिहासिक पक्ष | 25.55 | 24.44 | 37.78 | 13.33 |
| साहित्यिक पक्ष | 36.66 | 23.23 | 48.88 | 16.66 |

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की तुलना में निजी विद्यालय में विद्यार्थी कम पाया गया है। जिससे स्पष्ट ज्ञात पड़ता है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र - छात्राओं भारतीय संस्कृति से परिचित है। वे यह जानते है कि भारतीय संस्कृति की मूल धारणा क्या है। वे इस योग्य भी है कि भारतीय संस्कृति की संकल्पना को स्पष्ट कर सकते है। उनके आचार - विचार भी इसको प्रतिबिम्ब करते है। माध्यमिक विद्यालयों का शैक्षिक वातावरण भारतीय संस्कृति से परिपूर्ण है।

तालिका - 2

माध्यमिक विद्यालय एवं निजी विद्यालयों के भारतीय संस्कृति ज्ञान के मध्यमानो के अंतर की सार्थकता

Date ____________

| योग्यता | माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी की संख्या $N_1$-90 | | निजी विद्यालय के विद्यार्थी की संख्या $N_1$-90 | | DM | SE DM | CR |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भारतीय संस्कृति | Mean | S.D | Mean | S.D | | | |
| आध्यात्मिक पक्ष | 17.78 | 2.81 | 15.38 | 4.78 | 2.4 | 0.58 | 4.14 |
| धार्मिक पक्ष | 18.34 | 1.90 | 16.22 | 3.91 | 2.12 | 0.46 | 4.60 |
| ऐतिहासिक पक्ष | 16.53 | 3.87 | 13.90 | 6.00 | 2.63 | 0.75 | 3.50 |
| साहित्यिक पक्ष | 18.34 | 1.90 | 16.22 | 3.91 | 2.12 | 0.46 | 4.60 |

का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना :—

उपरोक्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए निम्न शून्य परिकल्पना निर्मित की गयी :—

(i) माध्यमिक विद्यालय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के ज्ञान में सार्थक अंतर नहीं है।

(ii) माध्यमिक विद्यालय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के आध्यात्मिक पक्ष, धार्मिक पक्ष ऐतिहासिक पक्ष एवं साहित्यिक पक्ष के ज्ञान में सार्थक अंतर नहीं है।

Date ____________

परिसीमन :—

यह शोध कार्य बिहार राज्य के पटना महानगर तक सीमित किया गया है।

न्यायदर्श :—

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु स्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा न्यायपूर्ण का चुनाव किया गया। न्यायदर्श को प्रतिनिधित्व बनाने के लिए बिहार राज्य के 4 माध्यमिक स्तर के विद्यालयों से 180 विद्यार्थियों को सम्मिलित किया।

अध्ययन का स्वरूप :—

शोधकर्ता हेतु आदर्श मूलक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया। शोध के उपकरण के रूप में स्वनिर्मित भारतीय संस्कृति मापनी का प्रयोग किया। जिसमें आध्यात्मिक धार्मिक ऐतिहासिक तथा साहित्यिक पक्ष से 20 पद लिए। कुल मापनी में 80 पद सम्मिलित किए। समस्या की प्रकृति को देखते हुए प्रदत्तों का विश्लेषण करते हुए

Scanned with OKEN Scanner

Date ____________

मानक विचलन सह संबंध गुणांक सांख्यिकी की अनुपात सांख्यिकी प्रविधियों का प्रयोग किया साथ ही आंकड़ा विश्लेषण के लिए तालिका I, II का उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि माध्यमिक विद्यालयों एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के अध्यात्मिक धार्मिक ऐतिहासिक एवं साहित्यिक पक्षों के अध्ययनों में 0.01 एवं 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया।

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी (छात्र-छात्राओं) भारतीय संस्कृति के चारों पक्षों की संकल्पना को स्पष्ट कर सकते हैं उनके आधार विचार कार्य-व्यवहार एवं आचरण भी इसकी प्रतिबिम्बित करते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

# Maulana Mazharul Haque Teachers' Training College

مولانا مظہر الحق ٹیچرس ٹریننگ کالج

Recognised by ERC, NCTE, Bhubaneswar,
Affiliated to L.N. Mithila University, Darbhanga & B.S.E.B., Patna

MATHURAPUR, SAMASTIPUR - 848101 (BIHAR) INDIA

# SCHOOL DIARY

**Course** B.Ed. **Session** 2022-24

Name Prerna Priyadarshini

Class Roll No. 220046

Board/ University Roll SAM No. 2341159

Reg. No. 18421111990 Year 2018

Maulana Mazharul Haque Teachers' Training College ESTD. Mathurapur

Date

प्रथम दिन :-

आज दिनांक 15-04-23 को हमलोग Girls High School, Kashipur Samastipur पहुँचे। हमलोगों के साथ महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ० रंजीता कुमारी पर्यवेक्षक के तौर पर वहाँ मौजूद थे। हमलोगों का आज विद्यालय में पाठ्यअभ्यास का प्रथम दिन था। जिसको लेकर सारे प्रशिक्षु काफी उत्साहित थे। वे यहाँ प्राप्त होने वाले अनुभव के प्रति काफी उत्सुक थे।

विद्यालय में हमलोगों की मुलाकात वहाँ के प्राचार्य मीरा कुमारी तथा वहाँ के शिक्षक गण से हुई उन्होंने अपना परिचय दिया, उसके बाद बारी-बारी से सारे प्रशिक्षु ने भी अपना परिचय दिया।

'श्रीमती मीरा कुमारी' तथा उनके सहयोगी शिक्षक ने सारे प्रशिक्षु को संबोधित करते हुए पाठ्याभ्यास क्या होता है? इसकी रूपरेखा क्या होती है? इसमे क्या-क्या आवश्यकता होती है? इसकी विस्तृत रूप से चर्चा की एवं हमलोगों को काफी सकारात्मक सुझाव दिए।

उन्होंने सभी प्रशिक्षु को संबोधित करते हुए बताया कि एक सफल शिक्षक के तौर-तरीके क्या है?

Date

सफल शिक्षक बनने के लिए किन - किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता हैं ? किस प्रकार एक सफल शिक्षक के तौर पर कार्य करना हैं ?

उन्होंने अपने अनुभवों को सारे प्रशिक्षु के साथ साझा किए तथा सारे प्रशिक्षु को मार्गदर्शन प्रदान किए एवं सफल शिक्षक बनने हेतु आशीर्वाद भी दिए।

Date

द्वितीय दिन :-

आज विद्यालय के पाठ्यअभ्यास का द्वितीय दिन है, आज हमलोग ससमय विद्यालय पहुँचे हमलोग के साथ डॉ रंजीता कुमारी मैडम भी पर्यवेक्षक के तौर पर मौजूद रहे। 10:00 AM हमलोगो का प्रथम दिन काफी उत्साहवर्धक था, इस दिन जो भी कार्यप्रणाली के बारे में बताया गया उसे आज अमल में लाना था जिसमे उमारे डॉ रंजीता मैडम ने काफी मदद की।

उन्होने हमलोगो को विद्यालय की समय सारणी उपलब्ध करवायी और प्रशिक्षु को उनके विषय के अनुरूप कक्षाएँ आवंटित की।

10:15 से 3:45 PM तक कक्षाएँ चलती हैं। सुबह 9:30 बजे बच्चो के आने का समय है 9:40 AM से 10:00 AM तक Assembly होती हैं।

सारे प्रशिक्षु समय - सारणी के अनुरूप अपने अपने विषय की कक्षाएँ ली। हमलोग अपने अनुभवो को प्रभावी तरीके से विद्यालय के विद्यार्थी के समक्ष प्रस्तुत किए। सारे प्रशिक्षु इस नये अनुभव से काफी उत्साहित थे उन्हें कुछ नया सीखने और सिखाने का मौका मिला।

Date

कक्षा समाप्ति पर सारे प्रशिक्षु बारी-बारी से सारे विद्यार्थियों से शिक्षण अनुभव के बारे में राय माँगी। लगभग विद्यार्थी प्रशिक्षु के शिक्षण तैयारी एवं शैली से खुश नजर आए।

शिक्षकों की सूची एवं उनकी शैक्षणिक योग्यताएँ 10+2 स्तर एवं 10 th स्तर तक जो भी शिक्षक एवं शिक्षिकाएँ :-

**$10^{+2}$ Level पर**

| शिक्षकों का नाम | शैक्षणिक योग्यताएँ |
|---|---|
| 1. श्रीमती श्वेतम् कुमारी | M.A. B.Ed (Home Science) |
| 2. श्री सुरेन्द्र मोहन | M.A. B.Ed. (Pol. Science) |
| 3. श्री राजीव लोचन | M.Sc. B.Ed. (Biology) |
| 4. श्रीमती रिशु कुमारी | P.H.D B.Ed. (Economics) |
| 5. श्रीमती आनामिका कुमारी / भारती | M.A. B.Ed. (History) |
| 6. श्री माधव कुमार | PH.D B.Ed (Hindi) |
| 7. श्री विजेन्द्र कुमार | M.A. B.Ed. (English) |

Date

(माध्यमिक स्तर)

**9, 10 th स्तर पर**

| शिक्षकों का नाम | शैक्षणिक योग्यताएँ |
|---|---|
| 1. श्रीमती मीरा कुमारी (HM) | M.A. B.T.C. |
| 2. श्री शोभानंदकांत | M.Sc. B.Ed. [BIO] |
| 3. श्री अशोक कुमार शाह | M.Sc. B.Ed. [BIO] |
| 4. श्रीमती सरिता सारंगी | M.Sc. B.Ed. [Maths] |
| 5. श्रीमती अर्चना कुमारी | PH.D. B.Ed. [Eng.] |
| 6. श्रीमती कुमकुम कुमारी | M.Sc. B.Ed. [Maths] |
| 7. श्री रौशन आरा | M.Sc. B.Ed. [Maths] |
| 8. श्री बृजेश कुमार | M.Sc. B.Ed. [BIO] |
| 9. श्री अरविंद कुमार राम | M.A. B.Ed. [Eng] |
| 10. श्री संजीत कुमार झा | PH.D. B.Ed. [Snk.] |
| 11. श्रीमती अर्पणा कुमारी | M.A. B.Ed. [Hindi] |
| 12. श्रीमती अर्पणा कुमारी | M.Sc. B.Ed. [Bio] |
| M.A. MLI. 13. श्रीमती रंजना कुमारी | Librarian. |

Date

## आदेशपाल की सूची (Peon)

1. श्री अशोक कुमार सिन्हा
2. श्री जितेन्द्र नारायण यादव
3. श्री कमलदेव कुमार
4. श्रीमती वंदना कुमारी

## Clerk किरानी / लिपिक

1. हेमा कुमारी 10+2 स्तर पर

2. मनोरंजन कुमार माध्यमिक स्तर

सभी शिक्षको का नाम उनकी योग्यताओ के बारे में जाना एवं सभी लिपिक के विषय में बातचीत के माध्यम से सूचना एकत्र किया जैसे Admission process, Transfer certificate कैसे apply किया जाता है, Marksheet कैसे प्राप्त होगा, SLC के बारे में, और Track Record कैसे मिलता है। कौन - कौन सा Program होता है।

- इस विद्यालय में एक LLC नाम का club है जिसको Arvind kumar sir देखते हैं। Legal Literacy club students को aware करता है अपने law अधिकारो के प्रति जागरूक बनाता है।

इस club को Supreme court के निर्देश पर District Legal service Authority द्वारा चलवाया जाता है विद्यालयों में

Date

# Infrastructure of School :-

1. Principal Office
2. Staff room
3. Library
4. Laborfary.
5. LLC
6. Smart class
7. Separate washroom for teachers as well as students because this ~~school~~ is girls school.
8. Garden at the centre of campus
9. Parking
10. Playground
11. Tap - water available.
12. 4 class - room for 11th & 12th
13. 2 class - room for 9th and 1 class - room for 10th.

Date

# Admission Process के लिए Document required :-

TC, Admission form, Adhaar card, Email Id, passbook, 1 passport size photo, Government fees, Admission Registration and then class Register में Attendance बनेगा।

# Transfer Certificate :-

1. Application form due अगर होगा तो उसको Pay करना होगा तब उसके आधार पर TC issue होगा।

# School Leaving Certificate SLC

Application देना होता है Head madam के नाम से (Head Master) ~~clerk~~ को तब clerk issued करेगा।

Track Record :-

Student का नाम वह fail है या pass है किस विषय में उसके आधार पर SLC issue किया जाता है।

Marksheet :-

Board के द्वारा issue किया जाता है इसके लिए विद्यार्थी का Admit Card देखकर Marksheet दिया जाता है।

Date

तृतीया दिन :-

आज विद्यालय में पाठ्यअभ्यास के तृतीया दिन है। 10:00 AM हमलोग आज ससमय विद्यालय पहुँचे उस समय सारे विद्यार्थी और शिक्षकगण मैदान में मौजूद थे प्रार्थना शुरू होने वाली थी। हमलोगो ने भी प्रार्थना में भाग लिया प्रार्थना समाप्ति के उपरान्त सभी प्रशिक्षु विद्यालय द्वारा आंवटित कक्षा में अपना-अपना स्थान ग्रहण किए।

वर्ग-कक्ष प्रारंभ होने की सूचना मिलने पर प्रशिक्षु बारी-बारी से आवंटित कक्षा में अपने-अपने विषय की कक्षाएँ ली।

12:30 PM विद्यालय में करीब मध्यावकाश हुआ सारे छात्र मैदान में एकत्रित हुए कुछ छात्र खेलकूद में भाग लिए कुछ छात्र अपने-अपने में वार्तालाप करने लगे।

सारे प्रशिक्षु भी मध्यावकाश का लाभ उठाने लगे कुछ प्रशिक्षु अपने आगे की कक्षा के बारे में सोचने लगे कुछ छात्र एक-दूसरे से वार्ता करने लगे। कुछ छात्र प्रशिक्षु अपने-आपने भोजन करने मे जुट गए लगभग 1:45 PM में पुनः वर्ग प्रारंभ हुई।

Date

सभी छात्र बारी - बारी से अपनी कक्षा की ओर प्रस्थान किए।

इसके बाद जिन - जिन प्रशिक्षु का शिक्षण बचा हुआ था उन्होंने वर्ग कक्ष में अपनी - अपनी कक्षाएँ ली। कक्षाएँ ऐसी ही चली कुछ समय उपरान्त विद्यालय छुटने का समय हो गया, प्रशिक्षु ने अपनी कक्षाएँ गृहकार्य देकर समाप्त की।

चतुर्थी दिन :-

Prayer bell - 9:30 AM

1st Period

2nd Period

3rd Period -

4th Period -

Lunch time

5th Period -

6th Period -

7th Period

8th Period -

Nation Anthem

Date

सत्र 2022-23

दिनांक 15-09-2022 तक

छात्रों की वर्गवार संख्या

IX 253

X 240

XI कला - 110 विज्ञान - 106

XII कला - 119 विज्ञान - 120

कुल = 948

Date

चेतना सत्र के आयाम :-

I सर्व धर्म प्रार्थना
II प्रस्तावना
III प्रश्नोत्तरी
IV राष्ट्रीय गान

सर्व - धर्म प्रार्थना

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ,
तू ही वाहे गुरू तू ईश मसीह,
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है, तू ही रहीम है,
तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ,
तू ही वाहे गुरू, तू ईश मसीह,
हर नाम में, तू समा रहा।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरी दर्श वेद पुराण में,
गुरू ग्रंथ जी के बखान मे,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ,
तू ही वाहे गुरू तू ईश मसीह,
हर नाम में, तू समा रहा।

Date

अरदास है, कहीं कीर्तन,
कहीं राम धुन, कहीं आवाहन,
विधि भेद का है ये सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ,
तू ही वाहे गुरू तू ईश मसीह,
हर नाम में, तू समा रहा।

Date

## प्रस्तावना

हम भारत के लोग भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी, धर्म निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक, गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय विचार अभिव्यक्ति विश्वास धर्म और उपासना की स्वतंत्र प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प हो कर अपनी इस संविधान सभा मे आज तारीख 26 नवंबर 1949 ई॰ मिति मार्ग शुक्ल शुक्ला सप्तमी दो हजार छः विक्रमी को एतत् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

Date

## प्रश्नोत्तरी प्रतिदिन

प्र॰ बिहार के मुख्यमंत्री कौन है ?
उत्तर → श्री नीतीश कुमार

प्र॰ बिहार के उपमुख्यमंत्री कौन है ?
उत्तर → सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा हैं।

प्र॰ बिहार के राज्यपाल कौन है ?
उत्तर → । श्री राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ।

प्र॰ बिहार के शिक्षा मंत्री कौन हैं ?
उत्तर → आलोक कुमार मेहता ।

प्र॰ बिहार की राजधानी कहाँ है ?
उत्तर → पटना

प्र॰ बिहार की शोक नदी कौन है ?
उत्तर → कोसी को बिहार की शोक नदी कहा जाता हैं।

प्र॰ पटना किस नदी के तट पर है ?
उत्तर → गंगा नदी के तट पर ।

प्र॰ हमारे शरीर के किस अंग को सबसे ठोस माना जाता है
उत्तर → तामचीनी (Enamel)

Date

# राष्ट्रीय गान

जन गण मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता ।

पंजाब सिन्ध गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग

विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग ।

तव शुभ नामे जागे ।
तव शुभ आशिष मागे

गाहे तव जयगाथा
जन गण मंगलदायक,

जय हे भारत भाग्य विधाता ।

जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय जय हे ।।

Haque Teachers' Training College ESTD. 2010 Samastipur Mathurapur

# Maulana Mazharul Haque Teachers' Training College

مولانا مظہر الحق ٹیچرس ٹریننگ کالج

Recognised by ERC, NCTE, Bhubaneswar,
Affiliated to L.N. Mithila University, Darbhanga & B.S.E.B., Patna

MATHURAPUR, SAMASTIPUR - 848101 (BIHAR) INDIA

Scan

Maulana Mazharul Haque Teachers' Training College
Mathurapur, Samastipur, Bihar

# PARENT-TEACHERS MEETING RECORD

**Course** B.Ed **Session** 2022-24

Name Manisha kumari

Class Roll No. 220036

Board/ University Roll No. 2341149

Reg. No. 18412102464 Year 2024

Maulana Mazharul Haque Teachers' Training College ESTD. Mathurapur

Scanned with OKEN Scanner

Date

# * Parent-Teachers meeting

* उद्देश्य :-

→ Parents Teacher meeting विद्यालय और घर के मध्य घनिष्ठ संबंध को बनाना।

→ घर और समुदाय मे बच्चो के कल्याण को बढ़ावा देना।

Mahamaya Haque Teachers' Training College ESTD. 2010 Mathura

Scanned with OKEN Scanner

Date

→ बच्चों के कार्य निष्पादन पर संयुक्त विचार विमर्श को साक्षदार बनाना।

→ बच्चों के न पढ़ने के कारणों, पढ़ाई मे मन न लगना, समझ न आना पढ़ाई करने मे हो रही दिक्कतों का पता लगाना आदि।

* आयोजन :—

दिनांक 6/01/2024 को हमारे विद्यालय मे एक Parents Teacher meeting हुई जिसमे विद्यार्थी अपने अभिभावक के साथ आए। जिसमें लगभग 86 अभिभावक उपस्थित हुए। इस meeting मे हमने कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अभिभावकों के साथ चर्चा की, जो निम्नलिखित है।

1. पढ़ने मे परेशानी तथा गृह कार्य पूरा न होना :—

इसमें अभिभावकों से हमने यह जानने का प्रयास किया कि

Scanned with OKEN Scanner

Date

उनके बच्चो को किस subject मे और क्यों परेशानी होती है। क्या बच्चों को Teacher द्वारा पढ़ाया गया समझ नहीं आता या वे घर पर अपना काम नहीं करते है, जिस कारण वे बाकी बच्चो से पीछे या कोई और वजह है। पढ़ने मे रूचि कैसे जगाना है, बच्चो से कैसे उनका गृहकार्य पूरा करना है। तथा साथ ही साथ उसके शारीरिक विकास को कैसे बढ़ाना है, या सही ढंग से पूरा करना है। आदि मुद्दो पर हमने चर्चा की ताकि बच्चे का भविष्य को सही दिशा प्रदान की जाए।

२. बच्चो की कम उपस्थिति का कारण :-

हमने अभिभावको से यह जानने का प्रयास किया कि स्कूलो मे इतनी सुविधा होने (जैसे - मीड डे मील्स, सभी विषयो की पढ़ाई, ड्रेस के लिए पैसा, साथ ही खेल कूद आदि) होने के बावजूद भी बच्चे प्रतिदिन विद्यालय क्यों नहीं जा पा रहे है।

क्या कारण है, क्या वे स्कूल के लि निकलते है, या घर से ही नही आ रहे है। विद्यालय के लिए, तो बहुत से अभिभावको ने बताया कि वे तो रो आ रहे है, कुछ ने बताया कि वे कभी-कभी उनके कामों मे मदद कर है, जिस कारण वे कभी-कभी अपन वर्ग मे अनुपस्थित हो जाते है। कुछ ने बताया वे अपना गृहकार्य पूरा न कर पाते है, जिस कारण वे नहीं आते है। कुछ अभिभावको ने यह भी बताया कुछ सीनियर बच्चे उन्हे परेशान करते है, जिस वजह से वे नही आना चाहते है। कुछ ने यह भी बताया कि शिक्षकों का डर, शिक्षको का क्रूरतापूर्ण व्यवहार भी बच्चों की कम उपस्थिति का एक बड़ा कारण है।

3. सरकारी योजनाओ का लाभ :- ऐसे तो हम अभिभावकों या वे हमी से नही मिल पाते तो हमने इसी दौरान सोचा कि ये बात भी पूछ लीजाए कि उनके बच्चों को

Date

सरकारी योजना का लाभ मिल तो रहा है न । जैसे - ड्रेस के लिए पैसा, पुस्तको के लिए पैसा आदि ।

तब अभिभावकों ने बताया कि हमे मिल रहा है, कुछ ने बताया बच्चे देते ही नही है, खुद खर्च कर देते है, कुछ ने बताया बच्चो की कम उपस्थिति के कारण उन्हें नही मिल रहा है, तो कुछ ने इस पर आभार प्रकट करते हुए कहा हॉ मिल रहा है, जिस वजह से मेरे बच्चे आगे पढ़ पा रहे है, तथा आगे बढ़ रहे है, वे इन पैसो को संभाल कर रखते है। तथा उससे ही कॉपी - किताब, पेन, पेंसिल आदि जरूरतो का समान खरीद्ते है। हम तो इतने गरीब है, कि अपने बच्चों को ये भी न दे पाएं उन्होने सरकार का धन्यवाद किया बहुत सी अच्छी योजनाओ के चलते ।

4. यूनिफॉर्म -

बच्चो के यूनिफार्म को लेकर अभिभावको ने यह बताया कि एक ही

Date

यूनिफॉर्म होने के वे रेगुलर यूनिफॉर्म मे नहीं आ पाते है। कुछ ने ये भी कहा कि विद्यालय से आने के बाद वे यूनिफॉर्म को उतारते नही है पहने ही रहने के कारण वे गंदी हो जाती है जिस वजह से वे यूनिफॉर्म मे नहीं आ पाते है। खेल-कूद के दौरान बच्चो का युनिफार्म फट जाना भी, यूनिफॉर्म मे नहीं आने का एक बड़ा कारण है। इसलिए शिक्षको को यह बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि खेल-कूद के लिए किसी एक या दो दिनो को निर्धारित करें और उस दिन बच्चो को formal dress मे ही बुलाए। ताकि उनका यूनिफार्म सुरक्षित रहे। यूनिफार्म को किसी तरह की क्षति न हो। न ही गंदा हो, या न ही फटे ताकि वे आगे उनका उपयोग कर सकें।

5. सुंदर लिखावट :–

Parents teacher meeting के हमने अभिभावको से बच्चो की handwriting को लेकर भी बात की। क्योकि

Date

कहीं-न-कहीं यह माना जाता है कि मनुष्य की handwriting उसके व्यक्तित्व का दर्पण है और एक अच्छी hand-writing से बच्चों में आत्मविश्वास भी आता है। तथा वे ही खुद अच्छे से पढ़ सकते हैं, समझ सकते हैं। और वे अच्छे से लिख ही नहीं पाएँगे तो वे क्या समझेंगे और जब समझ नहीं पाएँगे तो वे Home work कैसे पूरा करेंगे। और, अगर उनकी Handwriting अभिभावक या शिक्षक भी न समझ पाएँ तो वे उनकी मदद भी न कर पाएँगे उनके काम को पूरा कराने में तो Handwriting का पढ़ाई की दुनिया में बहुत बड़ा योगदान है। इसका बहुत महत्व है। Written exam के द्वारा उस बच्चे की कॉपी का मूल्यांकन करना बहुत कठिन हो जाता है, जिसकी Handwriting बहुत ही गंदी हो।

शिक्षकों की समझ में न आने के कारण पढ़ने में सही बच्चे का नम्बर कम हो जाता है और तो

Date

है, उसके पास लेकिन दूसरे तक वह सही रूप से न पहुँच पाने के कारण वह बच्चा पीछे हो जाता है। उसका मनोबल टूट जाता है। पढ़ाई के प्रति उसकी रूचि खत्म होने लगती है तो उस समय हम शिक्षकों तथा अभिभावकों का यह फर्ज है कि उसे समझाएँ उसकी Handwriting को सही करने के लिए उसे प्रेरित करे, उसे एक सही दिशा प्रदान करें, ताकि बच्चा अपनी कमी को दूर करे न कि अपना आत्मबल खो दे। बच्चों को समय-समय पर जागरूक करते रहना चाहिए, जिसके लिए हम विद्यालय में कभी-कभी Hand writing competition भी करवा सकते हैं। ताकि बच्चा अपनी Hand writing को सही करने की कोशिश करे।

6. आत्म-विश्वास की कमी :- PTM के द्वारा हमने अभिभावकों से बच्चों के अंदर आत्म-विश्वास को लेकर चर्चा की। जिसमें

Date

हमने यह बात की कैसे बच्चो का आत्म विश्वास बढ़ाया जाए, साथ ही अभिभावक भी इस बात पर ध्यान दें कि वे भी कैसे अपने बच्चो का आत्म-विश्वास बढ़ाए न की उसे तोड़े। बहुत ऐसे अभिभावक होतेते है जो बच्चो को किसी काम को करने से पहले ही या तो डांट देते है, या गुस्सा करते है, नही तो ये बोलकर कि उससे ये काम नही होगा। उसका मनोबल तोड़ देते है। जिसके कारण बच्चा आसान काम को भी शुरू करने से पहले डरता है, या Parents के गुस्से के कारण कुछ नही कर पाता है। उसके अंदर आत्म-विश्वास की कमी हो जाती है। उसे हर काम कठिन और उससे न होनेवाला लगता है। अभिभावको को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे उसकी कामों को देखे, उसे समझाएँ उसकी कामों को सही दिशा प्रदान करें।

7. बच्चों के मन को समझना :— इस दौरान हमने और अभिभावको ने इस मुद्दे पर भी बात की, कि हमे

Date

बच्चों के मन को समझना पड़ेगा। तब ही हम उनको सही ढंग से समझा पाएँगे। साथ ही उनके अंदर एक सही सोच का बीज डाल पाएँगे। बच्चे के मन को समझना बेहद जरूरी है। अगर कोई अभिभावक अपने बच्चे को मन को समझ लें, तो उनका बच्चा कभी गलत दिशा में नहीं जाएगा। वे जरूर ही एक अच्छा नागरिक, एक अच्छा इंसान, एक अच्छा समाजसेवक बनेगा। इसलिए बच्चे के मन को समझने की कोशिश करें। साथ ही साथ उसे समझाने की हर संभव प्रयास करें। कभी-कभी ऐसा भी देखा गया है कि यदि बच्चों को मन का कुछ पुरा न होता है, तो वे गुसैल, चिड़चिड़े बन जाते हैं। साथ ही अभिभावकों से बहस भी कर लेते हैं तो ध्यान रखें इस बात की। और हाँ कभी-कभी बच्चों के मन का हमेशा करने से भी बच्चे बिगड़ जाते हैं उनके मन में ये आ जाता है कि उनके Parents उनके लिए सब-कुछ कर सकते हैं तो इस स्थिति में वो ध्यान रखे कि बच्चों के मन का वही करे जो सही हो जिसका

Date

* प्रतिपुष्टि :—

Parents Teacher meeting के दौरान दोनों पक्षों ने बच्चों के अनुसार अपने पक्ष को रखते हुए, उसके कमी को सुधार करने का प्रयास करने के साथ-साथ उसकी उपलब्धि पर भी बात की गई। इस उपलब्धि को बढ़ाने के लिए तथा बनाएँ रखने के लिए आपस में कामों को निर्धारित किया गया, क्योंकि किसी बच्चे के विकास मे दोनों पक्षों का बराबर का योगदान है सिर्फ Teacher या सिर्फ Parents अकेले इस काम को नही कर सकते इसके लिए Teacher तथा Parents दोनो को साथ मिलकर काम करना होगा, तभी किसी भी बच्चे का सर्वांगीण विकास संभव है, School मे Teacher को अच्छे से ध्यान देना होगा और घर पर Parents को अपने बच्चे का गृह कार्य पूरा करवाने के साथ-साथ उसके व्यवहार, उसके कामों पर नजर रखना होगा, तब ही कोई बच्चा सही दिशा मे संलग्न हो पाएगा।

Scanned with OKEN Scanner

Date

इस बात को समझते हुए हमलोगों ने बजाए एक-दूसरे के आरोप के, हमने विकास की बात की।

फलतः अभिभावक एवं शिक्षक के बीच संबंध मे सुधार हुआ तथा दोनो पक्ष एक-दूसरे का सम्मान एवं एक-दूसरे पर विश्वास करने लगे। दोनो पक्षों मे बच्चों के प्रति उत्तरदायित्व बोध मे वृद्धि हुई। जो अंततः बच्चो के व्यक्तित्व विकास मे मददगार होगा। साथ ही एक अच्छे भविष्य की रचना की नींव रखी जाएगी।

Date

* मेरा अनुभव :—

इसी meeting के दौरान मैंने बहुत सारे अभिभावकों से बात की। साथ ही कुछ नाकारात्मक तथा साकारत्मक पहलुओं को सुना, उसे समझा तथा समझाने की कोशिश की। बच्चो की कमियों तथा उनकी उपलब्धि पर चर्चा की, कमियो के कारणों का पता लगाया साथ ही उसे समझने की कोशिश के साथ-साथ दूर करने का निश्चित भी किया।

बहुत सारे अभिभावको के पक्ष को सुनने के बाद मेरा अनुभव यह रहा कि किसी बच्चे के विकास में बहुत सारे पहलुओं को ध्यान रखना पड़ेगा। बच्चों पर शिक्षक तथा अभिभावक के साथ-साथ उसके मित्र, उससे मिलनेवाले परिजन सब प्रभाव डालते हैं। बच्चो के विकास मे वातावरण, समाज, मीडिया सब प्रभाव डालते हैं। उसकी सोच लोगो के अनुसार वातावरण तथा मीडिया के अनुसार बदलती रहती है। वे इस बात को

Date

लेकर जुझते भी है। सही गलत मे फर्क करने की कोशिश भी करते है, कभी कर पाते है तो कभी नहीं भी कर पाता जिससे वे किसी गलत सोच या गलत मनोवृति का शिकार हो जाते है, तथा कुछ उल्टी-सीधी हरकत या कोई उल्टा-सीधा काम करने लगा जाते है। साथ ही नशे का भी शिकार हो जाते है। क्योंकि उन्हे इस विषय मे पता ही नही होता है, इससे होनेवाले हानि के बारे मे पता न होने के कारण वे इस दलदल मे फँस जाते है और चाहकर भी नहीं निकल पाते है।

तो इस प्रकार मेरा अनुभव यह है कि Parents तथा Teacher दोनो को मिलकर बच्चो को हर-तरह का सोच से अवगत कराएँ साथ ही उसमे सही गलत को बताए उससे होने वाली हानियाँ भविष्य मे उसके कारण आनेवाले प्रभाव आदि से अवगत कराएँ। Parent को बच्चों का ध्यान रखने की बहुत जरूरत है, वे क्या पढ़ रहे है,

Date

क्या देख रहे हैं, क्या खा रहे हैं, क्या पी रहे हैं। कैसे लोगों से मिल रहे हैं, कहाँ जा रहे हैं आदि। क्योंकि एक Teacher इस सब पहलुओं पर तो ध्यान नहीं दे सकते न जबकि पढ़ाई में कमी का एक बड़ा कारण ये भी है। हाँ मैं मानती हूँ कि शिक्षक सही गलत की सोच रख सकते हैं इस बारे में बता सकते हैं। समझा सकते हैं, लेकिन वे देखभाल नहीं कर सकते हैं कि बच्चे ये कर रहे हैं या नहीं ये Parents को ही करना पड़ेगा कि वे बच्चे के मन को समझे सही - गलत के बीच अंतर समझाएँ। उसे सही दिशा की ओर अग्रसर करें प्रेरित करें, सही दिशा में लगाए। बच्चों को घुमाएँ तथा उन्हें महापुरुषों की जीवन आदि की किताबें लाकर दें जिससे बच्चा अच्छी ज्ञान को अर्जित कर सके।

Parents और Teacher दोनों को मिलाकर ही बच्चे का भविष्य बनाना उसे सही दिशा प्रदान करना है। और

Date

ये तभी मुमकीन है जब दोनो मिलकर काम करें। तभी किसी बच्चे का सर्वांगीण विकास सही ढंग से हो पाएगा।

साथ ही उसके भविष्य को एक ही दिशा मिल पाएगी। वे भविष्य मे एक अच्छे नागरिक एक व्यक्तित्व के रूप मे उभर कर आएंगे, जिस पर दुनिया को नाज होगा। लोग उनसे सीख लेंगे, उनकी तरह बनने का सोचेंगे।

Maharani Ahilyabai Teachers' Training College
ESTD 2010
Ganeshpur
Mathurapur